समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 08 September 2026

बिहार मे बीजेपी का 'स्मार्ट मूव': गृह विभाग पर कब्जा, जेडीयू को बैकफुट पर लाया गया

Publisher

Published on 21 Nov 2025

बिहार की नई सरकार बनने के साथ ही मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया गया है और इस बार **बीजेपी ने एक स्मार्ट रणनीति** अपनाते हुए कई अहम विभागों पर कब्जा किया है। बिहार विधानसभा चुनाव में भले ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जीत का तमगा मिला, लेकिन सत्ता की असली चाल में बीजेपी ने हर बाजी अपने पक्ष में कर ली।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार इस बार बीजेपी ने गृह विभाग जैसे **महत्वपूर्ण विभाग पर कब्जा कर जेडीयू को बैकफुट पर ला दिया**। यह विभाग पिछले कई सालों से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नियंत्रण में रहा करता था, लेकिन अब बीजेपी के पास है। इस रणनीति से यह स्पष्ट होता है कि बीजेपी ने केवल चुनावी जीत पर ध्यान नहीं दिया बल्कि सरकार गठन के बाद भी अपनी पकड़ मजबूत करने की योजना बनाई।

इस बार बिहार में बीजेपी और जेडीयू का गठबंधन हुआ, जिसमें बीजेपी को 89 और जेडीयू को 84 सीटें मिलीं। आंकड़ों के हिसाब से बीजेपी की स्थिति मजबूत है। इसके बावजूद जेडीयू ने अपनी पुरानी पकड़ और वरिष्ठता का भरोसा रखते हुए कई विभागों पर अधिकार की उम्मीद की थी। लेकिन **सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा की जोड़ी** ने रणनीतिक चाल चलते हुए अपने पक्ष में सबसे महत्वपूर्ण विभागों को सुरक्षित किया।

विशेषज्ञों के अनुसार, **बीजेपी का गृह विभाग पर कब्जा 2005 से एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य था**, जिसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार रोकते रहे। इस बार बीजेपी ने इस चुनौती को पूरी ताकत से अपनाया और सफलता प्राप्त की। गृह विभाग का नियंत्रण किसी भी राज्य में शक्ति और प्रशासनिक नियंत्रण का प्रतीक माना जाता है। इससे न केवल सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर सीधे प्रभाव पड़ता है, बल्कि राजनीतिक दिशा भी तय होती है।

सम्राट चौधरी ने इस बार प्रदेश बीजेपी के नेतृत्व में रणनीति का नेतृत्व किया और दोनों उपमुख्यमंत्री के पदों को लेकर भी अपनी दावेदारी कायम रखी। यह कदम न केवल पार्टी की सत्ता और नियंत्रण को मजबूत करेगा बल्कि जेडीयू के लिए भी भविष्य में राजनीतिक चुनौती खड़ी कर सकता है।

साथ ही, वित्तीय विभाग और अन्य महत्वपूर्ण विभागों में भी बीजेपी की पकड़ मजबूत दिखाई दे रही है। विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम **बीजेपी की राज्य मे लंबी अवधि की रणनीति** का हिस्सा है। पार्टी न केवल चुनाव जीतने में सक्षम दिखी है, बल्कि **सरकार के गठन और विभागीय नियंत्रण** में भी उसने अपनी ताकत साबित कर दी है।

राजनीतिक हलचल के बीच जेडीयू को कई मामलों में पीछे हटना पड़ा। पार्टी को अपनी पुरानी पकड़ और प्रतिष्ठा के बावजूद गृह विभाग जैसी अहम जिम्मेदारी छोड़नी पड़ी। इस परिस्थिति ने यह दिखाया कि बिहार की नई सरकार में बीजेपी की रणनीति कितनी प्रभावशाली और सूझ-बूझ वाली है।

विशेषज्ञों के अनुसार, बीजेपी का यह कदम **सिर्फ विभागीय नियंत्रण तक सीमित नहीं है**, बल्कि इससे आने वाले समय में **राजनीतिक खेल और चुनावी रणनीति पर भी असर पड़ेगा।** गृह विभाग पर कब्जा बीजेपी को कानून व्यवस्था, प्रशासनिक निर्णय और सुरक्षा मामलों में निर्णायक भूमिका देगा।

इस तरह बिहार की नई सरकार में बीजेपी ने न केवल गठबंधन में अपनी ताकत दिखाई बल्कि जेडीयू के मुकाबले **स्ट्रैटेजिक सुपरiority** भी हासिल कर ली। सम्राट चौधरी और उनकी टीम के इस स्मार्ट मूव ने साबित कर दिया कि सत्ता में केवल नंबरों से ही नहीं बल्कि रणनीति और नेतृत्व कौशल से भी बदलाव लाया जा सकता है।

बिहार की नई राजनीतिक तस्वीर में यह साफ है कि बीजेपी ने **हर महत्वपूर्ण मोर्चे पर जेडीयू को बैकफुट पर ला दिया है**, और आने वाले समय में राज्य की राजनीति में इसका गहरा असर देखने को मिल सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.